दैनिक भास्कर

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट: खोपोली से कुसगांव के बीच बनाया जा रहा 19 किमी लंबा वैकल्पिक मार्ग

अगले साल जून तक तैयार होगा मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक, तेजी से चल रहा काम

सुजीत गुप्ता | मुंबई

- सुरंग की खुदाई हो चुकी फिनिशिंग का काम जारी
- दोनों शहरों के बीच आवाजाही में बचेगा 25 मिनट समय
- देश के सबसे ऊंचे केबल स्टे ब्रिज का काम अंतिम चरण में

मुंबई से पुणे के बीच आवागमन को सुगम बनाने के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) खोपोली और कुसगांव के बीच मिसिंग लिंक बना रहा है। इसके तहत 19 किमी वैकल्पिक मार्ग बनाया जा रहा है। इससे दोनों शहरों के बीच आवाजाही करनेवाले यात्रियों का 20 से 25 मिनट तक समय बचेगा। मिसिंग लिंक का काम 80% पूरा हो चुका है। इसके लिए सुरंग खोदी जा चुकी है, जिसका फिनिशिंग काम किया जा रहा है। इस सड़क पर देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज बनाया जा रहा है, जिसका काम अंतिम चरण में है। परियोजना का काम तेजी से किया जा रहा है। यह मार्ग जून, 2025 तक तैयार होगा। हालांकि इसे जनवरी, 2024 तक तैयार करने का लक्ष्य था।

अलग मार्ग की जरूरत क्यों

दरअसल मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की संख्या बढ़ गई है। इस मार्ग पर हादसे भी बढ़े हैं। इसीलिए वैकल्पिक मार्ग बनाया जा रहा है, जिसे मिसिंग लिंक नाम दिया गया है। एक्सप्रेस वे और मुंबई-पुणे नेशनल हाईवे-4 खालापुर टोल प्लाजा के पास मिलते हैं। खंडाला एग्जिट के पास दोनों अलग हो जाते हैं। अडोशी टनल से खंडाला एग्जिट का रास्ता 6 लेन का है। यहां 10 लेन के वाहनों का ट्रैफिक होता है। घाट सेक्शन में सड़क चढ़ाव-उतार भरी है। भूस्खलन की आशंकाओं के मद्देनजर मुंबई की ओर आने वाली पहाड़ों से सटी एक लाइन मॉनसून में बंद कर दी जाती है। इन दिक्कतों के समाधान के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाया जा रहा है।

बनाई जा रही 8 लेन की सड़क: इस मार्ग में दो सुरंग होंगी, जिनकी खुदाई हो चुकी है। इनका फिनिशिंग कार्य चल रहा है। दो वायाडक्ट होंगे। आठ लेन की सड़क होगी। इस मार्ग को बनाने की शुरुआत फरवरी, 2019 में हुई थी। कोरोना लॉकडाउन की वजह से काम प्रभावित हुआ।

9 किमी भूमिगत सुरंग: मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक मार्ग पर 9 किमी लंबी भूमिगत सुरंग होगी। यह सुरंग लोनावला-खोपोली के बीच बनाई जा रही है। यह मार्ग तैयार होने पर मुंबई और पुणे के बीच की दूरी करीब 6 किमी कम हो जाएगी। यात्रियों का लगभग 25 मिनट समय बच पाएगा।

जोड़ी जाएंगी सुरंग: मुंबई-पुणे के बीच बनाई जा रहीं दोनों सुरंग हर 300 मीटर पर एक दूसरे से जोड़ी जाएंगी। हादसा होने पर ट्रैफिक संपर्क मार्ग से दूसरी सुरंग की तरफ मोड़ा जा सकता है। इस मार्ग पर रोजाना 1.80 लाख वाहनों की आवाजाही की उम्मीद है।

182 मीटर ऊंचा केबल स्टे ब्रिज: मिसिंग लिंक मार्ग पर दो पुल होंगे। इनमें से एक पुल तैयार हो चुका है। दूसरा पुल केबल स्टे ब्रिज है, जिसकी ऊंचाई 182 मीटर होगी। इस पुल से सुरंग की दूरी 1000 मीटर है। केबल स्टे ब्रिज 650 मीटर लंबा और 26 मीटर चौड़ा होगा। इसकी लागत 1322 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस पर 270 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन फर्राटा भर सकते हैं। इस पुल का इस्तेमाल 100 साल तक किया जा सकता है।

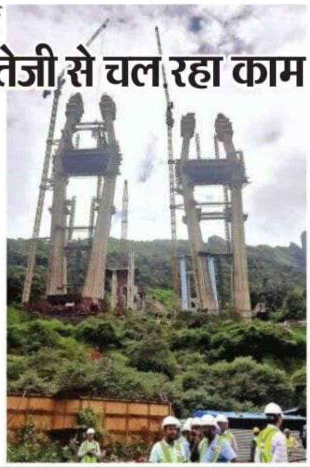

epaper.bhaskarhindi.com wl6-demo.readwhere.com